कार्यालय जिला पंचायत (ग्रामीण विकास) छिंदवाड़ा (म.प्र.)

सफलता की कहानी

हितग्राही ने कहा 'फिर गए हमारे दिन'

सिंचाई के लिए आदिवासी विकास विभाग से मिला मोटर पंप

रोजगार गारंटी योजना में बना कुआं और हुआ मेढ़ बंधान कार्य

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के कारण हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी हो गई है। अक्सर वीरान पड़े रहने वाला खेत अब हमेशा फसल से लहलहाए रहता है। इस योजना ने परिवार और भूमि को नया जीवन दिया है। यह कहना है सौंसर विकासखंड की ग्राम पंचायत रामपेठ निवासी सहादेव पिता मानिक टेकाम का, जिसने रोजगार गारंटी योजना की कपिलधारा उपयोजना के तहत अपने खेत में भूमि संरक्षण के लिए भूमि शिल्प उपयोजना अंतर्गत मेढ़बंधान का कार्य कराया है।

कपिलधारा और भूमिशिल्प उपयोजना सहादेव के लिए वाकई वरदान साबित हुई है। गर्मी में कपिलधारा में बना कुंआ अभी लबालब भरा हुआ है। वहीं मेढ़

बंधान के कारण भू–स्खलन रूका है। ग्राम पंचायत सचिव संजय गोमकाले ने बताया कि सहादेव के खेत में वर्ष 2007–08 में कूप निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। 69 रूपए टास्क रेट पर ग्रामीण मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया था। गर्मी में कुआं खुदाई के बावजूद कुंए में भरपूर पानी लग गया था। कुंआ करीब 32 फीट गहरा है, जिसमें लबालब पानी भरा हुआ है। 01 लाख 42 हजार 600 रूपए में सहादेव का कुआं बनकर तैयार हो गया। कूप खुदाई के समय बड़ी मात्रा में मुरम और पत्थर निकले, जिससे सहादेव को भूमिशिल्प उपयोजना का लाभ भी दिया गया। कुंए के आसपास ही मेढ़बंधान का कार्य भी कराया गया है। 50 हजार रूपए की लागत से मेढ़बंधान कार्य किया गया है। इस कार्य में भी गांव के आधा दर्जन से अधिक मजदूरों को काम मिला है। सचिव ने बताया कि कुआं सफल होने के बाद

शासन की आदिवासी विकास योजनांतर्गत सहादेव को सिंचाई के लिए मोटरपंप भी उपलब्ध करा दिया गया है। अब सहादेव गर्मी, ठंड के दिनों में भी फसलों की सिंचाई कर सकेगा।

हितग्राही सहादेव के पुत्र ज्ञानेश्वर ने बताया कि खेत तो था, परंतु पानी की सुविधा न होने के कारण सिर्फ बरसाती फसल ही ले पाते थे। गर्मी और ठंड के दिनों में खेत सुनसान पड़ा रहता था। इसके अलावा खेत सड़क के किनारे होने के कारण भूमि कटाव भी होता था। रोजगार गारंटी योजना से कुआं और मेढ़बंधान कार्य हुआ है। गर्मी के दिनों में कुंए में 10 फीट पानी भरा हुआ था। गर्मी में हरी सब्जी लगाई थी। ज्ञानेश्वर ने बताया कि अभी खेत में धान, ज्वार, मक्का, मूंगफली की फसल लगाई है। बीच में बारिश थमने पर आदिवासी विकास विभाग से मिले मोटरपंप से फसल की सिंचाई की है। मेढ़बंधान के कारण भूमिकटाव रूका है। अब जहां पानी थमता है, वहां धान की फसल लगाई है। पहले इतनी फसल नहीं होती थी कि घर का गुजारा हो जाए। गेहूं आदि बाजार से खरीदना पड़ता था। अब भरपूर पानी और सिंचाई सुविधा होने से घर के ही खेत में अच्छी फसल हो जाएगी। साथ ही अपने ही खेत में काम मिल जाएगा। गर्मी और ठंड में भी अब खेत में फसल लहलहाएगी। ज्ञानेश्वर ने कहा कि रोजगार गारंटी योजना ने हमें सक्षम बना दिया है। अब हमारे दिन भी फिर जाएंगे। जनपद सीईओ श्री डी.आर. करपे ने बताया कि जिला कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना श्री निकुंज कुमार श्रीवास्तव एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. श्रीनिवास शर्मा के निर्देश एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के काम कराए जा रहे है। सामुदायिक एवं हितग्राहीमूलक कार्य कर क्षेत्र को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है।